5 देशों के राजदूतों ने 'के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक' का दौरा किया

कंपनी के चेयरमैन नितिन मित्तल ने किया अतिथियों का स्वागत; भारतीय कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी पहचान

- इंजीनियरिंग क्षमता, इनोवेशन आधारित सॉल्यूशन और निर्माण क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों की प्रतिनिधिमंडल द्वारा सराहना

तलेगांव, 13 जून (आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

तलेगांव स्थित भारत की अग्रणी निर्माण प्रौद्योगिकी कंपनी के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक ने अपने अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में पांच देशों के प्रतिष्ठित राजदूतों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया.

इस उच्चस्तरीय दौरे ने भारतीय निर्माण तकनीक, नवाचार और वैश्विक सहयोग की संभावनाओं को नई मजबूती प्रदान की है. प्रतिनिधिमंडल में गयाना के राजदूत धरमकुमार सीराज, थाईलैंड के राजदूत चवनार्ट थांगसुमफंत, सेशेल्स के राजदूत ललातियाना अकूशे, तिमोर-लेस्ते के राजदूत कार्लिटो नूनेस तथा अल्जीरिया के राजदूत अब्देनोर खेलिफी शामिल थे. के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक के चेयरमैन नितिन मित्तल ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया और कंपनी की तकनीकी क्षमताओं से उन्हें अवगत कराया. दौरे के दौरान राजदूतों ने कंपनी के आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का विस्तृत निरीक्षण किया. उन्होंने एडवांस्ड फॉर्मवर्क सिस्टम, अत्याधुनिक निर्माण तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं तथा उत्पादन प्रणाली को करीब से देखा. प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी की इंजीनियरिंग क्षमता, इनोवेशन आधारित सॉल्यूशन और निर्माण क्षेत्र में अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों की सराहना की. बैठक के दौरान कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों और राजदूतों के बीच विभिन्न देशों में तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर, स्मार्ट कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी, टिकाऊ निर्माण पद्धतियों और संभावित औद्योगिक सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई. विभिन्न देशों में निर्माण और आधारभूत संरचना विकास परियोजनाओं में भारतीय तकनीक और विशेषज्ञता के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया.

के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक के चेयरमैन नितिन मित्तल ने कहा, इस प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल का के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक में स्वागत करना हमारे लिए गर्व और सम्मान की बात है. हम निर्माण क्षेत्र में नवाचार, टिकाऊ समाधानों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

इस तरह के संवाद वैश्विक स्तर पर ज्ञान और तकनीक के आदान-प्रदान को नई गति प्रदान करते हैं. कंपनी के अनुसार यह दौरा केवल औपचारिक मुलाकात नहीं था, बल्कि वैश्विक निर्माण उद्योग में सहयोग, तकनीकी साझेदारी और दीर्घकालिक व्यावसायिक अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. इससे भारत की निर्माण प्रौद्योगिकी क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर और अधिक मजबूती मिलेगी.

कंपनी कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कार्यरत

के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक लंबे समय से एडवांस्ड फॉर्मवर्क और कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कार्यरत है और देश-विदेश में कई प्रमुख परियोजनाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है. कंपनी का उद्देश्य आधुनिक, सुरक्षित और टिकाऊ निर्माण तकनीकों के माध्यम से वैश्विक निर्माण उद्योग में नई पहचान स्थापित करना है. यह दौरा के-नेस्ट कंस्ट्रक्शन टेक की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति और भारत को वैश्विक निर्माण प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को मिलेगा न्याय

विभिन्न स्थानों पर मोबाइल लोक अदालतों एवं विधि जागरूकता शिविर जारी

पुणे, 13 जून
(आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के नागरिकों तक न्याय को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से जिला विधि सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पुणे ने 9 जून से 17 जुलाई तक पूरे पुणे जिले में मोबाइल लोक अदालतों और कानून के संबंधी जागरूकता शिविरों (लीगल अवेयरनेस कैम्प) का विशेष अभियान शुरू किया है.

यह महत्वाकांक्षी कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य विधि सेवा प्राधिकरण तथा मुंबई उच्च न्यायालय विधि सेवा समिति के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है. इसके तहत विशेष रूप से आयोजित मोबाइल अदालतें और जागरूकता शिविर गांवों एवं दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचेंगे, जिससे लोगों को न्याय प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी.

यह अभियान पुणे जिले के पुणे, जुन्नर, आंबेगांव (घोडेगांव), खेड़-राजगुरुनगर, वडगांव मावल, शिरूर, दौंड, इंदापुर, बारामती, पुरंदर-सासवड और भोर क्षेत्रों को कवर करेगा, ताकि विधि सहायता जमीनी स्तर तक पहुंच सके. अधिकारियों के अनुसार, मोबाइल लोक अदालतों का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर विवादों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है. नागरिकों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया और अधिक खर्च से बचाते हुए, लंबित तथा पूर्व-विवाद मामलों का आपसी समझौते से समाधान करने का अवसर मिलेगा. इन शिविरों में विधि विशेषज्ञ, न्यायिक अधिकारी और पैनल अधिवक्ता नागरिकों से संवाद करेंगे तथा उनकी कानूनी शंकाओं का समाधान करेंगे.

जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा डीएलएसए, पुणे के अध्यक्ष ए. टी. वानखेड़े ने नागरिकों से बड़ी संख्या में भाग लेने और लोक अदालतों के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करने की अपील की है. इस अवसर पर, डीएलएसए पुणे की सचिव रेवती आर. देशपांडे ने भी जिले के लोगों से मोबाइल लोक अदालतों और विधि जागरूकता शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया है. इस सबंध में अधिकारियों का कहना है कि यह महत्वपूर्ण पहल न केवल बड़ी संख्या में मुकदमों की संख्या कम करने में सहायक होगी, इसके साथ ही लोगों में कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, किफायती और जनहितैषी बनाएगी.

कई प्रकार के मामलों का होगा निपटारा

इन लोक अदालतों में दीवानी (सिविल) विवाद, पारिवारिक मामले, मोटर दुर्घटना मुआवजा दावे, बैंक वसूली संबंधी मामले, अन्य समझौता योग्य प्रकरण आदि प्रकार के मामलों का निपटारा किया जाएगा. निशुल्क विधि मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी. मोबाइल लोक अदालतों के साथ-साथ आयोजित विधि जागरूकता शिविरों में नागरिकों को उनके अधिकारों और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी.

मोबाइल लोक अदालत कार्यक्रम का विवरण

तिथि	तहसील	स्थान
15 जून	आंबेगांव	घोडेगांव
18 जून	खेड़	खेड़
22 जून	वडगांव मावल	कामशेत

लोक अदालतों से नागरिकों को निम्न विषयों पर मार्गदर्शन मिलेगा

- *निःशुल्क विधि सहायता योजनाएं*
- *महिलाओं और बच्चों के अधिकार*
- *साइबर अपराध से बचाव*
- *सामाजिक न्याय संबंधी कानून*
- *नशा मुक्ति अभियान*
- *नागरिकों के कानूनी अधिकार और कर्तव्य*
- *विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाएं*

इन शिविरों में विधि विशेषज्ञ, न्यायिक अधिकारी और पैनल अधिवक्ता नागरिकों से संवाद करेंगे तथा उनकी कानूनी शंकाओं का समाधान करेंगे.

मेनलो रियल्टी द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप के दौरान उपस्थित (दाएं से) इनरव्हील क्लब रिवरसाइड की अध्यक्ष ऋतु तायल, सचिव आशा अशोक अग्रवाल और सदस्य मुन्नी मित्तल के साथ ब्लड बैंक का स्टाफ. दूसरे चित्र में महाराष्ट्र कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव आईएएस राहुल महिवाल, मेनलो रियल्टी के सचिन अग्रवाल और बिल्डर आकाश चोरड़िया.

मेनलो रियल्टी द्वारा 'विश्व रक्तदाता दिवस' के अवसर पर रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

शिवाजीनगर, 13 जून (आ.प्र.)

विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में मेनलो रियल्टी ने शनिवार (13 जून) को शिवाजीनगर स्थित सिटी स्केयर बिल्डिंग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया. इस जीवनरक्षक पहल में कंपनी के कर्मचारियों, सहयोगियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया. मेनलो रियल्टी के इस सफल रक्तदान शिविर में 200 से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. इस दौरान बड़ी संख्या में स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए आवश्यक रक्त भंडार को बनाए रखने में अपना योगदान दिया. रक्तदान सर्जरी, आपातकालीन उपचार और दीर्घकालिक चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे मरीजों की सहायता का सबसे प्रभावी और सार्थक माध्यम माना जाता है. इस रक्तदान शिविर को इनर व्हील क्लब ऑफ पुणे और राउंड टेबल पुणे के सक्रिय सहयोग और सहभागिता से और अधिक मजबूती मिली. इन संगठनों के सदस्यों ने इस पहल में शामिल होकर सामुदायिक कल्याण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई. कार्यक्रम में महाराष्ट्र कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव आईएएस राहुल महिवाल की विशेष उपस्थिति रही. उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जनकल्याण के लिए समुदाय आधारित पहलों के महत्व पर बल दिया. हर वर्ष 14 जून को विश्वभर में मनाया जाने वाला विश्व रक्तदाता दिवस रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करने और सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त आपूर्ति की निरंतर आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है. इस प्रकार की पहलें लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और समाज में सेवा एवं सहयोग की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

मेनलो रियल्टी के लिए यह रक्तदान शिविर उसके जिम्मेदार नागरिकता के संकल्प का हिस्सा है. 'सोच आपके भले की' अपने इस मूल मंत्र से प्रेरित होकर संस्था व्यवसाय से आगे बढ़कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की पहल करती है. यह आयोजन इस बात का उदाहरण है कि संगठन, सामाजिक समूह और आम नागरिक जब एकजुट होते हैं, तो अनेक लोगों के जीवन में नई आशा और जीवन का संचार कर सकता है.

'निधि आपके निकट' का आयोजन 29 जून को

पुणे, 13 जून (आ.प्र.)

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 29 जून को निधि आपके निकट कार्यक्रम आयोजित किया है. इस दौरान कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं पेंशनरों को भविष्य निधि संबंधी नवीनतम योजनाओं तथा उनके लाभों की जानकारी प्रदान करना है.

सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी. कार्यक्रम में नियोक्ता, कर्मचारी, पेंशनर एवं अन्य संबंधित व्यक्ति भाग ले सकते हैं. क्षेत्रीय कार्यालय, हिंजवडी द्वारा बीएसएनएल कार्यालय, आकुर्डी रेलवे स्टेशन के पास आयोजित किया जाएगा.

बाउंड्रीवाल नहीं होने से प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी असुरक्षित

चोरों और असामाजिक तत्वों से निवासी परेशान : बार-बार शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

हड़पसर, 13 जून (आ.प्र.)

मनपा ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हडपसर के वैदुवाड़ी क्षेत्र में 340 आवास लाभार्थियों को उपलब्ध कराए हैं. हालांकि इमारतों के निर्माण को तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी परिसर की बाउंड्रीवाल का निर्माण पूरा नहीं किया गया है. चारदीवारी नहीं होने के कारण आसपास की झोपड़पट्टियों से आने वाले असामाजिक तत्व आसानी से परिसर में प्रवेश कर रहे हैं.

रहवासियों का आरोप है कि पेट्रोल चोरी, वाहनों के पुर्जे चुराने तथा अन्य अवैध गतिविधियों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. इस संबंध में मनपा न को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक चारदीवारी का निर्माण नहीं किया गया है.मनपा ने वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत इन आवासों का कब्जा लाभार्थियों को सौंपा था.

उस समय भी बाउंड्रीवाल का कार्य अधूरा था. अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि शेष कार्य शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा, लेकिन तीन वर्ष बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है.रहवासियों का कहना है कि बाउंड्रीवाल नहीं होने के कारण आसपास की झोपड़पट्टी से अनधिकृत लोगों की आवाजाही बढ़ गई है. इसके चलते वाहनों के पुर्जे चोरी होने की घटनाएं सामने आ रही हैं. साथ ही परिसर में विभिन्न अवैध गतिविधियां होने से नागरिकों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है.

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए तैयार किए गए इस आवासीय परियोजना के रहवासी स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं. उनका कहना है कि प्रशासन को तत्काल बाउंड्रीवाल का निर्माण पूरा कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए. कई बार शिकायत करने और आयुक्त तक मामला पहुंचाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.

शेष कार्य पूरा कराया जाएगा : कार्यकारी अभियंता नेवाले

मनपा के कार्यकारी अभियंता विलास नेवाले ने कहा कि वैदुवाड़ी स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना की बाउंड्रीवाल का कुछ कार्य अभी शेष है. नागरिकों को इससे परेशानी हो रही है, ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई हैं. इस संबंध में हड़पसर-मांजरी क्षेत्रीय कार्यालय से समन्वय कर शेष कार्य पूरा कराया जाएगा.

श्रीनाथ भिमाले को मुख्यमंत्री का झटका, कैंसर अस्पताल के नामकरण पर फिरा पानी

- अस्पताल को पिता का नाम देने की कोशिश नाकाम
- मुक्ता तिलक के नाम को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पसंद बताए जाने की चर्चा

शिवाजीनगर, 13 जून (आ.प्र.)

बाणेर स्थित पुणे मनपा के अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल के नामकरण को लेकर पिछले कई महीनों से चल रही राजनीतिक गतिविधियों को आखिरकार निर्णायक मोड़ मिल गया है. मनपा के स्थायी समिति के अध्यक्ष श्रीनाथ भिमाले द्वारा अपने पिता स्वर्गीय यशवंतराव भिमाले का नाम अस्पताल को देने के लिए किए गए प्रयास अंततः विफल होने की चर्चा है. वहीं विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस अस्पताल के लिए दिवंगत विधायक मुक्ता तिलक के नाम को पसंद किया है.

बाणेर में पुणे मनपा और आपुलकी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के आधार पर 150 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल बनाया गया है. हालांकि अस्पताल शुरू होने से पहले ही उसके नामकरण को लेकर राजनीतिक वातावरण गर्म हो गया था. आरोप लगाया गया था कि श्रीनाथ भिमाले ने किसी भी आधिकारिक घोषणा से पहले ही अपने पिता का नाम इस अस्पताल को देने के लिए पर्दे के पीछे से प्रयास शुरू कर दिए थे. अस्पताल परिसर में संबंधित नाम के फलक भी लगाए गए थे. किंतु बढ़ते विरोध के बाद वे फलक हटाने पड़े. इसके बाद यह विषय और अधिक चर्चा में आ गया था.

सामाजिक कार्यकर्ता विनिता देशमुख ने इस प्रकार का तीव्र विरोध करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी थी. उन्होंने कहा था कि जनता के कर के पैसे से निर्मित सार्वजनिक परियोजनाओं को राजनीतिक नेताओं के रिश्तेदारों के नाम देना एक खतरनाक परंपरा है. इस विवाद के कारण मनपा प्रशासन के साथ-साथ सत्ताधारी दल को भी आलोचना का सामना करना पड़ा. इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्तक्षेप के बाद भिमाले की अपेक्षाओं को बड़ा झटका लगने की चर्चा राजनीतिक गलियारों में तेज हो गई है.

कैंसर से लंबे समय तक साहसपूर्वक संघर्ष करने वाली तथा 22 दिसंबर 2022 को दिवंगत हुईं पुणे की पूर्व महापौर एवं विधायक मुक्ता तिलक के नाम से यह अस्पताल पहचाना जाएगा, ऐसी जोरदार चर्चा चल रही है. इस संबंध में आधिकारिक घोषणा शीघ्र होने की संभावना व्यक्त की जा रही है. तथा विवाद पर अंततः पर्दा पड़ने की बात कही जा रही है.

एनडीए के पूर्व छात्र रहे हैं ले. जनरल धीरज सेठ

30 जून को सेना प्रमुख का पदभार संभालेंगे; पेरिस में आयोजित कमांड एंड स्टाफ कोर्स में भी भाग लिया है

खडकवासला , 13 जून
(आज का आनंद न्यूज नेटवर्क)

खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र रहे वर्तमान सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अब सेना की कमान संभालेंगे. केंद्र सरकार द्वारा अगले सेना प्रमुख पद के लिए लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को नियुक्त किया गया है. वे 30 जून को सेना प्रमुख पद का पदभार संभालेंगे.

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ खडकवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था. लगभग चार दशकों के अपने विशिष्ट सैन्य कॉरियर के दौरान, उन्होंने परिचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है, जिससे भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.

जनरल ऑफिसर ने विभिन्न सैन्य अभियानों में हर स्तर पर कमान संभाली है. उनके कमांड असाइनमेंट में रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट, पश्चिमी मोर्चे पर एक बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद-विरोधी बल शामिल हैं. लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में, उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभाली, जो भारतीय सेना की प्रमुख स्ट्राइक फॉर्मेशन में से एक है. उन्होंने दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया हैं, जहां उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभियानों और औपचारिक जिम्मेदारियों की देखरेख की.

सेना कमांडर के पद पर पदोन्नत होने पर, उन्होंने साउथ वेस्टर्न कमांड और सदर्न कमांड की कमान संभाली, जिससे उन्हें दो परिचालन सेना कमानों की कमान संभालने और ढाई वर्षों से अधिक समय तक महत्वपूर्ण मोर्चों पर रणनीतिक पर्यवेक्षण प्रदान करने का विशिष्ट गौरव प्राप्त हुआ. उन्होंने कई महत्वपूर्ण स्टाफ और रणनीतिक पदों पर कार्य किया है, जिनका परिचालन योजना, बल प्रबंधन और क्षमता विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है. सेना के आधुनिकीकरण में उनके योगदान की व्यापक रूप से सराहना हुई है. उन्होंने सेना मुख्यालय के रणनीतिक योजना और क्षमता विकास विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिससे आधुनिकीकरण की दिशा, क्षमता रोडमैप और दीर्घकालिक सैन्य संरचना संबंधी पहलों को आकार देने में उनकी भूमिका रही है. उभरती प्रौद्योगिकियों और भविष्य के युद्धक्षेत्र की अनिवार्यताओं के साथ परिचालन आवश्यकताओं को समायोजित करने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है.

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सैन्य शिक्षा में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया हैं. वे हायर कमांड कोर्स और नेशलन डिफेन्स कॉलेज के स्नातक हैं और उन्होंने पेरिस में आयोजित प्रतिष्ठित कमांड एंड स्टाफ कोर्स में भी भाग लिया है, जो समकालीन सैन्य मामलों के प्रति उनके व्यापक रणनीतिक दृष्टिकोण और समझ को दर्शाता है. मौजूदा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं.